www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 07 || लखनऊ
मंगलवार
07 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:51
सूर्यास्तः 06:26
अधिकतमः 33:00
न्यूनतमः 21:00

पेज 03

विशेष समाचार | खरगे की 'अशिक्षित गुजरात' ... >> पेज 02 | सपा विधायक का फर्श पर बैठकर... >> पेज 04 | राकेश बेदी को विक्की ने बीच इंटरव्यू...

बीजेपी और टीएमसी के बीच कांटे का मुकाबला

ओपिनियन पोल में ममता बनर्जी को बढ़त के साथ बहुमत के आसार

टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा गया है। सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीधी और कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। इसी बीच आए ताजा ओपिनियन पोल ने चुनावी मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। एबीपी-मैट्रिज के सर्वे के अनुसार, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में TMC को मामूली बढ़त मिलती दिख रही है। सर्वे के मुताबिक TMC को लगभग 43 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं।

वोट शेयर का अनुमान

टीएमसीः 43-45 %
एनडीएः 41-43 %
कांग्रेस, वाम दल और अन्यः 13-15%

सीटों के आंकड़ों में भी कड़ा मुकाबला

294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 148 सीटों का है। सर्वे के अनुसार TMC को 140 से 160 सीटें मिल सकती हैं, जो बहुमत के आसपास है। वहीं BJP को 130 से 150 सीटों का अनुमान है। अन्य दलों के खाते में 8 से 16 सीटें जा सकती हैं। इससे साफ है कि इस बार चुनावी मुकाबला बेहद करीबी रहने वाला है।

निर्णायक होगा वोटर का रुख

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस बार चुनाव में मतदाताओं का रुख बेहद अहम होगा। TMC जहां अपनी सत्ता बचाने की कोशिश में है, वहीं BJP इसे अपने विस्तार के बड़े अवसर के रूप में देख रही है। ऐसे में अंतिम नतीजे क्या होंगे, यह चुनाव परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा, लेकिन फिलहाल ओपिनियन पोल ने मुकाबले को बेहद रोमांचक बना दिया है। वहीं BJP राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए आक्रामक प्रचार अभियान चला रही है। कांग्रेस और वाम दल भी गठबंधन के सहारे अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में हैं।

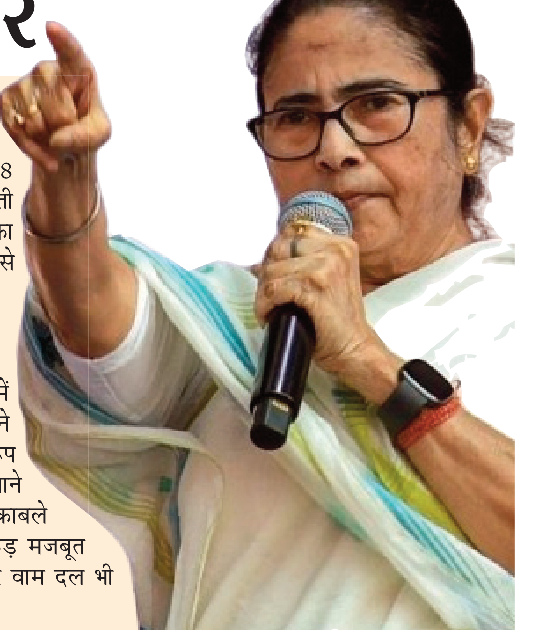

मूल्यों और आदर्शों के साथ आगे बढ़े मीडियाः योगी

कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ने की सरकार की तैयारी

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। सीएम योगी ने कहा कि पत्रकारिता को स्वयं को बेलगाम नहीं होने देना है। इस पेशे से जुड़े लोगों को पत्रकारिता के मूल्यों और आर्दशों के साथ आगे बढ़ाना है। भारत में 200 वर्ष के पत्रकारिता का मूलभाव राष्ट्र सेवा, समाज सेवा व एक भारत श्रेष्ठ भारत का भाव रहा है। हमें इसी भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सही पत्रकारों को मान्यता प्राप्त का सर्टिफिकेट और आई कार्ड मिलना चाहिए। ताकि सही-गलत की पहचान हो सके। इससे पत्रकार कहीं जाएंगे तो पहचान का संकट नहीं होगा। वहीं उन्हें कैशलेस

स्वास्थ्य सुविधा का लाभ देने में सरकार को भी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार पत्रकारों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ना चाहती है। पत्रकार सबकी आवाज उठाते हैं लेकिन यदि वे बीमार पड़ते हैं तो उनकी आवाज कोई नहीं उठाता है। भूले-भटके कभी सूचना मिल जाती है तो हम लोग वहां खड़े होने का प्रयास करते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

48 घंटे में यूपी के 10 शहरों में ओले गिरे

18 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, आज से पूरे प्रदेश में बिगड़ेगा मौसम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में बेमौसम बारिश से मौसम बदल गया है। सोमवार सुबह लखनऊ-कानपुर समेत ज्यादातर जिलों में सर्द हवाओं के चलते ठंड का एहसास हुआ।

>> (शेष पेज 04 पर)

बीजेपी और एलडीएफ में सीक्रेट डील : प्रियंका

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के प्रचार के तहत कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी केरल के कन्नूर पहुंचीं। उन्होंने कहा- आने वाले केरल चुनाव के लिए LDF और BJP के बीच एक सीक्रेट डील हुई है। हमने देखा कि सबरीमाला मंदिर में बड़े पैमाने पर चोरियां हुई हैं, लेकिन प्रधानमंत्री की तरफ से एक शब्द भी नहीं आया। यहीं इस डील के सबूत हैं।

राज्यसभा में 19 नए सदस्यों ने शपथ ली

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (SP) प्रमुख शरद पवार समेत 19 नए और दोबारा चुने गए राज्यसभा सदस्यों ने सोमवार को शपथ ली। शरद पवार व्हीलचेयर पर शपथ लेने के लिए संसद पहुंचे। शपथ लेने वालों में 5 महाराष्ट्र, 3 ओडिशा, 6 तमिलनाडु और 5 पश्चिम बंगाल के सदस्य है। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में सभी सदस्यों को शपथ दिलाई गई। दरअसल, 16 मार्च को 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों को चुनाव हुए थे। अब 18 सांसदों का अभी शपथ लेना बाकी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लेंगे। सांसदों के शपथ ग्रहण का आयोजन ऐसे समय हो रहा है।

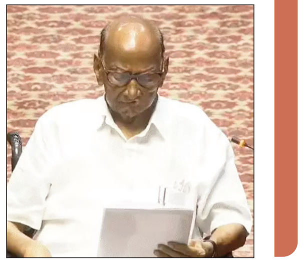

कांप्लेक्स में एंट्री बंद, एक संदिग्ध की पहचान हुई, सीएम मान बोले- हल्के में नहीं ले रहे

मोहाली कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी

जालंधर/चंडीगढ़। चंडीगढ़ और जालंधर के स्कूलों व सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी आज ईमेल से जरिए आई। इसके बाद प्रशासन और पुलिस हरकत में आई और सभी जगह सर्च ऑपरेशन चलाया गया। साथ ही एहतियातन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी तैनात की गईं। ईमेल में पंजाब के CM भगवंत मान, DGP गौरव यादव, हरियाणा के CM नायब सिंह सैनी और आम आदमी पार्टी (AAP) के वरिष्ठ नेता अरविंद केजरीवाल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इसके अलावा मोहाली कोर्ट, फिरोजपुर में कोर्ट कांप्लेक्स और अमृतसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्टेच्यू को भी

चंडीगढ़ में आई ईमेल में लिखा है- चंडीगढ़ बनेगा खालिस्तान। देह सिवा बर मोहे स्टार्ट करो और जन-गण-मन बंद करो। स्कूलों में 1:11 बजे बम धमका होगा। मेयर ऑफिस में 2:11 बजे धमाका और सेक्रेटेरिएट में दोपहर 3:11 बजे धमाका होगा। अपने बच्चे बचाओ।

पहले भी मिल चुकी हैं धमकियां

बता दें कि इससे पहले भी चंडीगढ़ के कई प्राइवेट और सरकारी स्कूलों, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, हाईकोर्ट और पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। हालांकि, हर बार जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ।

खत्म करने की धमकी है। मोहाली कोर्ट को खाली करवा दिया गया है और दोपहर 3 बजे तक एंट्री बैन कर दी। हालांकि, ईमेल के जरिए आए दिन मिल रही धमकियों को स्कूलों ने गंभीरता से नहीं लिया।

>> (शेष पेज 04 पर)

जालंधर में धमकी भरी ईमेल में ये बातें लिखीं

धमकी वाली ईमेल में लिखा है- जालंधर के स्कूलों में बम ब्लास्ट होगा। अपने बच्चे बचाओ। पंजाब अब खालिस्तान बनेगा। देह सिवा बर मोहे स्टार्ट, जन-गण-मन बंद करो। बम और ग्रेनेड से हमला होगा, स्कूलों में 1.11 बजे और 2.11 बजे मेयर ऑफिस में बम फटेगा। ईमेल में आगे लिखा है- खालिस्तान वाले बच्चों के खिलाफ नहीं। हिंदुस्तान की मोदी सरकार को तबाह करेंगे।

फास्ट न्यूज

दिल्ली विधानसभा का बैरियर तोड़कर घुसी कार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा कैंपस में सोमवार दोपहर को सुरक्षा में चूक हुई। दोपहर करीब 2 बजे यूपी नंबर की कार वीआईपी एंट्री वाला गेट नंबर-2 की बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुसी। कार ड्राइवर ने नकाब पहना हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक, ड्राइवर सीधे विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और पोर्च के पास गुलदस्ता रखकर कार समेत मौके से फरार हो गया।

राघव चड्ढा का अंग्रेजी किताब से केजरीवाल पर तंज

मोहाली। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी (AAP) से चल रहे विवाद के बीच बिना नाम लिए अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। राघव चड्ढा ने अमेरिकी लेखक रॉबर्ट ग्रीन की किताब 'द 48 लॉज ऑफ पावर' पढ़ते हुए फोटो शेयर की। राघव चड्ढा ने किताब के पहले पन्ने की स्टोरी भी लगाई। जिसमें लिखा कि मैने पहला चैप्टर खोला। जिस पेज को चड्ढा ने शेयर किया है, उसमें किताब में पहला कानून बताया गया है कि अपने मालिक या बॉस से ज्यादा चमकने की कोशिश कभी न करें। हमेशा अपने से ऊपर के लोगों को ऐसा महसूस कराएं कि वे आपसे बेहतर और श्रेष्ठ हैं। उन्हें खुश करने और प्रभावित करने की कोशिश में अपने हुनर या प्रतिभा का जरूरत से ज्यादा प्रदर्शन न करें।

पश्चिम बंगाल चीफ सेक्रेटरी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में लगे 7 न्यायिक अधिकारियों के घेराव और उन पर हमले के मामले में राज्य के चीफ सेक्रेटरी दुष्यंत नारियाला को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने अपने प्लेनरी पावर(संविधान की धारा 142 के तहत मिले अधिकार) का इस्तेमाल करते हुए मामले की जांच NIA (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) को सौंप दी।

दिल्ली शराब घोटाला केस में केजरीवाल खुद पैरवी करेंगे

जस्टिस स्वर्ण कांता से इस केस से हटने की मांग की, अगली सुनवाई 13 अप्रैल को

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केजरीवाल ने इस केस की जज स्वर्ण कांता शर्मा से खुद को अलग (recuse) करने की मांग की। कहा कि वे खुद दलीलें रखेंगे। अभी तक मैंने किसी को भी अपना वकालतनामा नहीं दिया है। जस्टिस शर्मा ने इस अर्जी को रिकॉर्ड पर लेते हुए इसकी सुनवाई 13 अप्रैल के लिए तय की। साथ ही CBI को कल तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि अन्य कोई पक्ष भी यदि ऐसी अर्जी देना चाहता है तो दे सकता है। CBI ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को हाईकोर्ट में

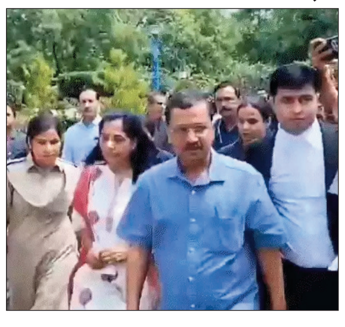

चुनौती दी है, जिसमें उसने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य 22 आरोपियों को शराब घोटाले केस में बरी कर दिया था। केजरीवाल पत्नी सुनीता के साथ सुबह 11 बजे कोर्ट रूम पहुंचे थे।

केजरीवाल 156 दिन, सिसोदिया 530 दिन तक जेल में रहे

दिल्ली सरकार ने 2021 में राजस्व बढ़ाने और शराब व्यापार में सुधार के लिए आबकारी नीति बनाई थी, जिसे बाद में अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद वापस ले लिया गया। इसके बाद उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने CBI जांच के आदेश दिए थे। CBI और प्रवर्तन निदेशालय (ED) का आरोप है कि इस नीति के जरिए निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाया गया और इसमें भ्रष्टाचार हुआ।

दिल्ली विधानसभा का बैरियर तोड़कर घुसी कार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा कैंपस में सोमवार दोपहर को सुरक्षा में चूक हुई। दोपहर करीब 2 बजे यूपी नंबर की कार वीआईपी एंट्री वाला गेट नंबर-2 की बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुसी। कार ड्राइवर ने नकाब पहना हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक, ड्राइवर सीधे विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और पोर्च के पास गुलदस्ता रखकर कार समेत मौके से फरार हो गया। हालांकि बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। घटना के बाद दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची है। गेट नंबर 2 पर अब सीआरपीएफ की तैनाती की गई है। न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने आरोपी समेत 3 लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक उत्तर प्रदेश के पीलीभीत रहने वाला सरबजीत है। पुलिस ने टाटा सिएरा कार भी बरामद की है। हाल ही में विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकियां भी मिली थीं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त 2025 की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था।

सीमा पर मगरमच्छ-सांप तैनाती पर विचार

बीएसएफ का अनोखा सुरक्षा प्लान

तमसा संकेत, एजेंसी

BSF बांग्लादेश सीमा की पेट्रोलिंग के लिए मगरमच्छों और सांपों का इस्तेमाल कर सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 26 मार्च को गृह मंत्रालय ने BSF मुख्यालय को ऑपरेशनल स्तर पर सरीसृपों (मगर-मच्छ और सांप) के इस्तेमाल पर विचार करने का आदेश दिया है। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किमी लंबी सीमा में लगभग 175 किमी हिस्सा नदी और दलदली क्षेत्र में आता है। इन इलाकों में फेंसिंग लगाना मुश्किल होता है। घुसपैठ और तस्करी की घटनाएं होती रहती हैं। सीमा पर 10 सालों में 7 हजार से ज्यादा घुसपैठ हुई। BSF अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल यह सिर्फ एक प्रस्ताव है। इसे लागू नहीं किया गया है। इसमें

जानवरों की व्यवस्था से लेकर सीमा के पास रह रहे लोगों की सुरक्षा जैसी कई चुनौतियां है। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के पास घनी आबादी और बाढ़ के हालतों की वजह से ग्रामीणों के लिए जोखिम भी बढ़ सकता है। 17 मार्च को सरकार ने भारत-बांग्लादेश बॉडर पर 3,326 किमी फेंसिंग को मंजूरी दी थी। लगभग करीब 371 किमी हिस्सा अभी भी बाकी है।

9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

6 साल पहले बाप-बेटे की हिरासत में मौत हुई थी, कोविड में दुकान खोली थी

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की मदुरै सेशन कोर्ट ने सोमवार को सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई। कोर्ट ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' बताया। कहा कि अत्यधिक बर्बरता और सत्ता के दुरुपयोग का मामला है। कोर्ट ने सभी दोषियों को मृतकों के परिजन को 1 करोड़ 40 लाख रुपए मुआवजा देने को कहा। यह मामला 2020 का है। छह साल तक सुनवाई चली। इस मामले में कुल 10 आरोपी थे। एक की कोविड के दौरान मौत हो गई। फर्स्ट एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज जी. मुथुकुमारन ने CBI की दलील को माना कि हिरासत में दोनों को योजनाबद्ध तरह से टॉर्चर किया गया। इसलिए अधिकतम सजा दी गई। हालांकि जांच में यह भी सामने आया कि सथानकुलम थाने का CCTV फुटेज सुरक्षित नहीं रखा गया। रिकॉर्डिंग रोजाना अपने आप डिलीट हो जाती थी, जिससे महत्वपूर्ण सबूत नहीं मिल पाए। सीबीआई और पीड़ित परिवार की ओर से मौत की सजा की मांग की गई थी। अदालत ने इस मामले को पुलिस ब्रूटैलिटी का गंभीर उदाहरण मानते हुए सख्त सजा दी। इस फैसले से देशभर में कस्टोडियल मौतों पर चर्चा छिड़ गई है। कई संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे दुर्लभ न्याय बताया, क्योंकि आमतौर पर ऐसे मामलों में पुलिसवालों को सजा मिलना मुश्किल होता है। सीबीआई और पीड़ित परिवार की ओर से मौत की सजा की मांग की गई थी। अदालत ने इस मामले को पुलिस ब्रूटैलिटी का गंभीर उदाहरण मानते हुए सख्त सजा दी। इस फैसले से देशभर में कस्टोडियल मौतों पर चर्चा छिड़ गई है। कई संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे दुर्लभ न्याय बताया, क्योंकि आमतौर पर ऐसे मामलों में पुलिसवालों को सजा मिलना मुश्किल होता है। मदुरै की पहली अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत के जज जी. मुथुकुमारन ने सभी 9 आरोपियों को हत्या समेत अन्य धाराओं में दोषी ठहराया। अदालत ने पाया कि पुलिस ने झूठे मामले में गिरफ्तारी की और यातना देकर दोनों को मार डाला।

> दरअसल,19 जून 2020 को पुलिस ने मोबाइल कारोबारी पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) को हिरासत में लिया था। आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन के दौरान दुकान खुली रखी थी। दोनों को सथानकुलम पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहां से न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहां कुछ ही दिनों में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि दोनों के साथ थाने में रातभर मारपीट की गई। उनके शरीर पर गंभीर चोट और खून बहने के निशान थे।

अस्पताल में बाप-बेटे ने की हुई थी मौत

अगले दिन दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की मौत हो गई। इससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया।

पी. जयराज (पिता) | जे. बेनिक्स (पुत्र)

सबूत के तौर पर क्या-क्या मिला

आरोपियों पर हत्या, षड्यंत्र और सबूत मिटाने जैसे गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज डिलीट होने का मामला भी सामने आया, जिससे सच्चाई छिपाने की कोशिश का संकेत मिला। एक आरोपी सब-इंस्पेक्टर जांच के दौरान कोविड से मर गया। 6 साल बाद 2026 में मदुरै की अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी की। मार्च 2026 में सभी 9 पुलिसकर्मियों को हत्या का दोषी ठहराया गया।

9 पुलिसकर्मियों में एक इंस्पेक्टर और एक सब-इंस्पेक्टर

दोषी ठहराए गए पुलिसकर्मियों में इंस्पेक्टर एस. श्रीधर, सब-इंस्पेक्टर पी. रघु गणेश और के. बालकृष्णन, हेड कॉन्स्टेबल एस. मुरुगन और ए. समदुरई है। साथ ही कॉन्स्टेबल एम. मुथुराज, एस. चेल्लादुरई, एक्स. थॉमस फ्रांसिस और एस. वेलुमुथु शामिल हैं। मामले में 10वें आरोपी स्पेशल सब-इंस्पेक्टर पॉलदुरई की ट्रायल के दौरान कोविड से मौत हो गई थी।

सीबीआई जांच में हिरासत में पिटाई की पुष्टि हुई

मद्रास हाईकोर्ट के निर्देश पर राज्य की CB-CID से लेकर CBI को सौंपी गई थी। एजेंसी ने एक इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर और अन्य पुलिसकर्मियों समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान एक महिला कांस्टेबल ने बयान दिया कि पिता-पुत्र को पूरी रात पीटा गया था। थाने में टेबल और लाठियों पर खून के निशान थे। यह गवाही मामले में अहम सबूत बनी।

सम्पादकीय

संकट के वक्त सत्र-सत्र का खेल

केंद्र सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाने का फैसला लिया है। संसदीय व्यवस्था यह है कि संसद का विशेष सत्र आमतौर पर तब बुलाया जाता है जब सरकार को किसी महत्वपूर्ण विधायी कार्य, राष्ट्रीय मुद्दे, या आपातकालीन स्थिति पर तत्काल चर्चा या निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। मोदी सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करवाने के लिए 2023 में ऐसा सत्र बुला चुकी है, इससे पहले 30 जून 2017 को जीएसटी लागू करने के लिए भी संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था। लेकिन इस बार बजट सत्र के फौरन बाद ही तीन दिन का सत्र बुलाया जा रहा है। अब यह विशेष सत्र कहलाएगा या नहीं, इस पर सवाल है, क्योंकि 2 अप्रैल को बजट सत्र समाप्त होना था, लेकिन अब इसे महिला आरक्षण बिल से संबंधित विशेष कार्यों के लिए स्थगित कर दिया गया है। तो चाहें इसे विशेष सत्र कहें या बजट सत्र का ही हिस्सा मानें, कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। क्योंकि असली सवाल तो यह है कि इस तीन दिन के सत्र से देश क्या हासिल करने जा रहा है। और क्यों पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच में सरकार को इस सत्र की आवश्यकता पड़ी? अभी 9 अप्रैल को असम, केरल और पुड्डुचेरी में मतदान हो जाएंगे, लेकिन तमिलनाडु में 23 अप्रैल और प.बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को वोट पड़ने वाले हैं। भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन चुके इन दो महत्वपूर्ण राज्यों में चुनावों से ठीक पहले संसद का यह सत्र बुलाने पर अब भाजपा की नीयत पर सवाल उठ रहे हैं। दोनों राज्यों में आचार संहिता लागू रहेगी, यानी कोई महत्वपूर्ण घोषणा, उद्घाटन, शिलान्यास जैसे कार्य फिलहाल सरकारें नहीं कर पाएंगी। तो क्या संसद के जरिए इन दोनों राज्यों की महिला मतदाताओं को साधने की कोई चालाकी की जा रही है। याद रहे कि बिहार में इसी तरह रोजगार सहायता के नाम पर 10-10 हजार रुपए महिलाओं के खाते में डाले गए थे, उस पर विपक्षी दल बेईमानी और आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगाते रहे, लेकिन इसे रोकने की हिम्मत उन संवैधानिक संस्थाओं ने नहीं दिखाई, जिन पर लोकतंत्र की रक्षा और निष्पक्ष चुनाव कराने की महती जिम्मेदारी है। देश की बढ़ती आबादी के मुताबिक निर्वाचन क्षेत्रों में बदलाव जरूरी है, और महिलाओं का प्रतिनिधित्व संसद और विधानसभा में बढ़ाना भी अत्यंत आवश्यक है। लेकिन इसके लिए यही वक्त क्यों चुना गया। 2023 से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है और कोरोना काल बीते भी छह साल हो गए हैं। जनगणना 2021 में न सही, 2022 या 2023 तक तो कराई ही जा सकती थी। लेकिन सरकार इसे टालती रही और अब जाकर इसकी प्रक्रिया शुरु हुई है। 2027 तक जनगणना पूरी होगी, ऐसी उम्मीद है। उसके बाद भी सरकार के पास सत्ता के दो साल बचे ही रहेंगे। फिलहाल तो जिस तरह नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू या बाकी एनडीए सहयोगियों पर भाजपा का दबदबा बना हुआ है, उसमें मध्यावधि चुनाव की संभावना भी नहीं है। तो सरकार पहले जनगणना पूरी करवा लेती, फिर ताजा आंकड़ों के मुताबिक परिसीमन पर फैसला लेती और उस के बाद महिला आरक्षण को लागू करवाती, तो यह तार्किक प्रक्रिया लगती। लेकिन अभी फिर यही नजर आ रहा है कि जैसे हड़बड़ी में जीएसटी लागू कर दिया गया था और फिर बार-बार इसमें बदलाव हुए, या नोटबंदी लागू करने के बाद बैंक से पैसे निकालने की मियाद बढ़ाई जाती रही, वैसा ही हश्र इस बार भी होने वाला है। दरअसल मोदी सरकार के साथ सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि वह किसी भी फैसले में विपक्ष को साथ लेना जरूरी नहीं समझती है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बताया है कि 16 से 26 मार्च के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजीजू के बीच पत्र व्यवहार हुआ, जिसमें श्री खड़गे ने किरण रिजीजू से मांग की कि 29 अप्रैल को चुनाव खत्म होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए ताकि संविधान संशोधन पर चर्चा हो सके। लेकिन जाहिर है इस मांग को नजरंदाज कर सरकार ने सत्र बुलाने का इकतरफा फैसला ले लिया। सरकार इसके पीछे महिला आरक्षण को लागू करने का तर्क दे, लेकिन ऐसा लग रहा है कि सत्र का असली मकसद 2027 की जनगणना से पहले और 2029 के आम चुनावों से ठीक पहले विधायिका के विस्तार या परिसीमन को आगे बढ़ाना है। दक्षिण भारत के राज्यों में उत्तर की अपेक्षा आबादी कम है और उन्हें चिंता है कि नए परिसीमन से उनके प्रतिनिधित्व पर असर पड़ेगा। हालांकि नरेन्द्र मोदी ने इस बारे में भी तर्क दिया है कि अगर लोकसभा की सीटों की संख्या 50प्रतिशत बढ़ा दी जाए और प्रत्येक राज्य की सीटों की संख्या भी 50प्रतिशत बढ़ा दी जाए, तो दक्षिण भारतीय राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा। लेकिन कांग्रेस ने इसमें भी खुलासा किया है कि जैसे लोकसभा में उत्तर प्रदेश और केरल की सीटों का अंतर अभी 60 है। प्रधानमंत्री के प्रस्ताव से यह अंतर बढ़कर 90 हो जाएगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु की सीटों का अंतर 41 से बढ़कर कम से कम 61 हो जाएगा। कांग्रेस का कहना है कि ऐसे और भी उदाहरण दिए जा सकते हैं। सरकार एक ऐसे प्रस्ताव को जबरदस्ती थोप रही है, जिससे बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को ही फायदा होगा, क्योंकि उनकी पहले से ही बड़ी संख्या और भी बढ़ जाएगी। सिर्फ दक्षिण भारत ही नहीं, बल्कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर-पूर्वी राज्यों का सापेक्षिक प्रभाव भी कम हो जाएगा।

खरगे की 'अशिक्षित गुजरात' वाली टिप्पणी पर भाजपा के जोरदार पलटवार

> 'भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने गुजरात और उत्तर भारत के लोगों का अपमान किया है और चुनाव से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति कर रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने ने खरगे पर पलटवार करते हुए उनसे पूछा कि महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं की "बुद्धिमत्ता" के बारे में उनका क्या विचार है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार (5 अप्रैल) को इडुक्की जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि केरल के लोग शिक्षित और चतुर हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य स्थानों के लोग गुमराह हो जाते हैं। उन्होंने कहा था कि केरल के लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन पर हमला करते हुए केरल और गुजरात के लोगों की तुलना की और कहा कि ये दोनों नेता गुजरात या अन्य जगहों के निरक्षर लोगों को तो मूर्ख बना सकते हैं लेकिन चुनाव वाले राज्य यानी केरल में नहीं।भाजपा ने रविवार को केरल और गुजरात के लोगों की तुलना करने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। पार्टी ने आरोप लगाया कि खरगे ने गुजरात और उत्तर भारत के अन्य राज्यों के लोगों को अशिक्षित कहकर उनका अपमान किया है। भाजपा ने विपक्षी दल पर विधानसभा चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा के राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कहा, 'मैं राहुल गांधी के बारे में सवाल नहीं करना चाहूंगा क्योंकि पूरा देश उन्हें जानता है'। उन्होंने कहा कि केरल के लोग वाकई बुद्धिमान और शिक्षित हैं, लेकिन न तो कांग्रेस और न ही वामपंथी दलों ने कभी उनके साथ न्याय किया। उन्होंने कहा 'यह सच है कि केरल के लोग बहुत बुद्धिमान और शिक्षित हैं। उनकी इसी बुद्धिमत्ता के कारण भाजपा ने 45 सालों के वामपंथी शासन के बाद तिरुवनंतपुरम में नगर निगम चुनाव जीता। उन्होंने कहा कि केरल के लोग बहुत बुद्धिमान हैं इसलिए 'लव जिहाद' की घटना सबसे पहले केरल में ही सामने आई'। उन्होंने कहा कि केरल के लोग समझदार हैं, लेकिन कांग्रेस और कम्युनिस्ट दलों के नेता बेहद खतरनाक हैं। वहीं गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगेपर तीखा हमला बोला और कहा कि उनकी टिप्पणी गुजरात की छह करोड़ जनता और महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं को देश को देने वाली राज्य की विरासत का अपमान है। खड़गे जी, जिस गुजरात की धरती ने देश को महात्मा गांधी दिए, जिस गुजरात ने देश को लौह पुरुष सरदार पटेल दिए, जिस गुजरात ने देश के सबसे लोकप्रिय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी दिए, जिस गुजरात ने विकास का नया मॉडल पूरी दुनिया को दिखाया उस गुजरात के 6 करोड़ गुजरातवासियों का अपमान? इसी के साथ सांघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य की जनता द्वारा सत्ता से बेदखल किए जाने के कारण है। उन्होंने कहा कि खरगे का बयान हताशा नहीं, बल्कि कांग्रेस की वास्तविक प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने गांधी और पटेल की भूमि का अपमान करने वालों को हमेशा नकारा है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। साथ ही कहा कि गुजरात इसे माफ नहीं करेगा। इधर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कहना है कि खरगे ने गुजरात और उत्तर भारत के लोगों के खिलाफ चौंकाने वाली टिप्पणियां की हैं। सोशल मीडिया पर क वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, 'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर गुजरात और उत्तर भारत के लोगों के खिलाफ चौंकाने वाली टिप्पणी की है। यह कांग्रेस की फूट डालो और राज करो की नीति को दर्शाता है। उन्होंने गुजरात और उत्तर प्रदेश के लोगों को सिर्फ इसलिए गाली दी और अनपढ़ कहा क्योंकि वे कांग्रेस को वोट नहीं देते। जब कांग्रेस चुनाव हारती है, तो वह लोगों को गाली देती है'। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'चौंकाने वालाः कांग्रेस ने गुजरात और उत्तर भारत का अपमान किया'।पून-वाला ने पूछा कि क्या गुजरात में कांग्रेस के नेता और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और आरजेडी के तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेता ऐसी टिप्पणियों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा 'क्या गुजरात कांग्रेस इससे सहमत है? क्या अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव इससे सहमत हैं? यह पहली बार नहीं है। डी।के। सुरेश जैसे कांग्रेस नेताओं ने उत्तर और दक्षिण भारत के बीच विभाजन का आह्वान किया है। उन्होंने उत्तर भारतीयों और उत्तर में रहने वाले अन्य लोगों का अपमान किया है'। इसके साथ ही भाजपा के एक अन्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए दोहराया कि पार्टी "बांटो और राज करो" की नीति अपनाती है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते भंडारी ने कहा कि ए ओ ह्यूम द्वारा स्थापित कांग्रेस विभाजनकारी राजनीति का अभ्यास करती है और एक भारतीय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करना चाहती है। भंडारी की पोस्ट में लिखा 'अंग्रेज ए ओ ह्यूम द्वारा स्थापित कांग्रेस, स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों की तरह ही 'बांटो और राज करो' की नीति अपनाती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि भारत की जनता ने इस विभाजनकारी कांग्रेस को नकार दिया है, जिसके वैचारिक मार्गदर्शक 'शहरी नक्सली' जैसे हैं और जो एक भारतीय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करना चाहती है। कांग्रेस भारत की एकता के खिलाफ है'। मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'अगर आपको गुजरात और अन्य क्षेत्रों के लोग कम समझदार लगते हैं, तो महात्मा गांधी, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और उत्तर भारत के सभी बड़े नेताओं को लेकर अपने इरादे स्पष्ट करें।'त्रिवेदी ने आगे कहा, 'कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह बयान पार्टी की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है, जो 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जैसे विचार को आगे बढ़ाना चाहती है। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा बयान दिया गया हो। इससे पहले भी पी। चिदंबरम ने कहा था कि अगर उत्तर भारत नहीं होता तो दक्षिण भारत बहुत आगे होता।'उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता लगातार उत्तर और दक्षिण भारत के बीच विभाजन की राजनीति कर रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि खड़गे के राज्य के एक वित्त मंत्री ने भी यह कहा था कि दक्षिण ज्यादा कर देता है, इसलिए उसे अलग हो जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने बिहार के लोगों के डीएनए को लेकर टिप्पणी की थी। केरल का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि वहां के लोग बहुत जागरूक और शिक्षित हैं।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

ललित गर्ग

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं। ृत्यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है। कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे "हम लोग", "बुनियाद", "संजीवनी", "बालिका वधू", "उड़ान", "तारक मेहता का उल्टा चश्मा" आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है।

तीसरी नैतिक...

डॉ. शैलेश शुक्ला

क्या डिजिटल राजनैतिक प्रचार की कोई नैतिक सीमा है?

राजनीतिक प्रचार उतना ही पुराना है जितनी कि राजनीति स्वयं। प्राचीन रोम में दीवारों पर संदेश लिखे जाते थे। मध्यकाल में राजा अपनी शक्ति का प्रदर्शन भव्य स्मारकों और अनुष्ठानों के माध्यम से करते थे। बीसवीं सदी में रेडियो, टेलीविज़न और समाचार पत्र राजनीतिक प्रचार के मुख्य माध्यम बने। लेकिन इन सभी युगों में एक बात साझी थी — प्रचार की एक सार्वजनिक दृश्यता और उसके साथ एक निहित जवाबदेही। आज, डिजिटल राजनीतिक प्रचार ने इस जवाबदेही की अवधारणा को ही उलट दिया है। जब प्रचार अदृश्य हो, व्यक्तिगत हो, तात्कालिक हो, और किसी भी तथ्यात्मक जाँच से मुक्त हो — तो प्रश्न उठता है कि क्या इसकी कोई नैतिक सीमा है? और यदि है, तो उसे कौन तय करेगा और कौन लागू करेगा? नैतिकता के प्रश्न पर विचार करने से पहले यह स्वीकार करना आवश्यक है कि राजनीतिक प्रचार और राजनीतिक संवाद के बीच की रेखा स्पष्ट नहीं है। हर राजनेता अपने विचारों को श्रेष्ठ और विरोधी के विचारों को निकृष्ट प्रस्तुत करता है — यह राजनीति का स्वाभाविक अंग है। नैतिक समस्या तब शुरू होती है जब प्रचार झूठ पर आधारित हो, जब वह लोगों को हेरफेर करे बजाय सूचित करने के, और जब वह समाज में नफरत, विभाजन, या हिंसा को बढ़ावा दे। डिजिटल राजनीतिक प्रचार की नैतिक समस्याओं की पहली श्रेणी है — असत्य और भ्रामक जानकारी का जानबूझकर प्रसार। जब कोई राजनीतिक दल या उसका समर्थक यह जानते हुए कि कोई बात असत्य है, उसे सोशल मीडिया पर फैलाता है ताकि मतदाताओं की राय को प्रभावित किया जा सके — यह नैतिक दृष्टि से स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य है। एमआईटी के 2018 के अध्ययन ने प्रमाणित किया कि असत्य सूचनाएँ ट्विटर पर 70 प्रतिशत अधिक रीट्वीट होती हैं। यह लोकतंत्र की उस बुनियाद पर सीधा हमला है जिसके अनुसार नागरिक सही जानकारी के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें। दूसरी नैतिक समस्या है व्यक्तिगत डेटा का बिना सहमति के राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उपयोग। 'कैम्ब्रिज एनालिटिका' प्रकरण इसका सबसे चर्चित उदाहरण है। इस कंपनी ने करीब 87 मिलियन फेसबुक उपयोगकर्ताओं के डेटा का उपयोग करके लोगों के मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल बनाए और उनकी कमज़ोरियों को लक्षित करने वाले राजनीतिक विज्ञापन दिखाए। यह केवल गोपनीयता का उल्लंघन नहीं था — यह मानवीय स्वायत्तता और स्वतंत्र इच्छा पर हमला था। जब एक प्रणाली यह तय करने लगती है कि आपके मन में कौन सा डर है और फिर उसी डर को और गहरा करने वाला राजनीतिक संदेश आप तक पहुँचाती है, तो आपकी 'स्वतंत्र पसंद' वास्तव में कितनी स्वतंत्र है? तीसरी नैतिक समस्या है सांप्रदायिक या जातीय विद्वेष को भड़काने के लिए डिजिटल प्रचार का उपयोग। म्यांमार में रोहिंग्या मुसलमानों के विरुद्ध 2017 में हुई हिंसा में फेसबुक की भूमिका को संयुक्त राष्ट्र की तथ्य-अन्वेषण टीम ने अपनी 2018 की रिपोर्ट में 'निर्णायक' बताया। 700,000 से अधिक रोहिंग्या को बांग्लादेश भागना पड़ा।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

प्रो. महेश चंद गुप्ता

भारत : अस्थिर दुनिया में आत्म निर्भरता जरूरी

दुनिया अब अलग-अलग बिखरे देशों का नक्शा मात्र नहीं रही है। यह एक ऐसा तंत्र बन गई है जिसमें कहीं भी हलचल होती है तो उसकी तरंगें दुनिया के हर कोने तक पहुंचती हैं। हाल में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच टकराव की स्थिति के बाद पैदा हुए तनाव ने इस सच्चाई को फिर से उजागर कर दिया है। इससे पहले रूस-यूक्रेन युद्ध से भी यह सबक मिल चुका है कि जंग किसी एक भूभाग तक सीमित नहीं रहती। उसके असर सीमाओं से परे जाते हैं। इस बात को हम लागू होते देख रहे हैं। भारत इस अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष का हिस्सा नहीं है लेकिन उसका असर हमारे यहां साफ दिखाई दे रहा है। पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति में अस्थिरता, छोटे उद्योगों का ठप पड़ना, निर्यात पर असर—ये सब संकेत दे रहे हैं कि वैश्विक अस्थिरता का बोझ हम भी ढो रहे हैं। दुनिया इतनी छोटी हो चुकी है कि कई लोग इसकी तुलना एक गांव से भी करते हैं। मानना ही होगा कि यह एक ऐसा साझा घर बन चुकी है, जिसकी एक दीवार पर आग लगे तो दूसरी दीवार पर बैठे लोग भी उसकी आंच महसूस करते हैं। यही वजह है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उसकी छाया हमारे रसोईघर, बाजार और छोटे-छोटे काम-धंधों तक आ पहुंची है। भारत की नीति स्पष्ट रूप से शांति की है लेकिन वैश्विक व्यवस्था में उसकी भागीदारी इतनी गहरी है कि किसी भी तनाव के असर से बचना संभव नहीं है। शहरों में ठेले पर चाय बेचने वाला हो या मिठाई की दुकान चलाने वाला हलवाई, हर किसी के काम पर इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। गैस सिलेंडर की बुकिंग में देरी अब सिर्फ एक असुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की कमाई पर चोट बनती जा रही है। इसका बड़ा कारण मूलभूत जरूरतों के लिए हमारा अन्य देशों पर निर्भर होना है। बड़ा सवाल यह है कि क्या हम अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए इतने अधिक बाहरी स्रोतों पर निर्भर हो चुके हैं कि कहीं भी हलचल हो और हमारी जमीन हिलने लगे? यह सच है कि हमारी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आज भी आयात किए गए तेल और गैस से पूरा होता है। खाड़ी क्षेत्र में तनातनी बढ़ते ही सप्लाई चेन पर दबाव पड़ता है और उसका सीधा असर हमारे घरों तक पहुंचता है। यह निर्भरता केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि रणनीतिक कमजोरी भी है। लेकिन बात केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। भारत का औद्योगिक और कृषि ढांचा भी कई मायनों में वैश्विक आपूर्ति पर टिका हुआ है। खाद्य तेल से लेकर उर्वरकों तक, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर रक्षा उपकरणों तक कई ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हैं। यह स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब वैश्विक संकट लंबा खिंचने लगता है। तीन दशक पहले सद्दाम हुसैन को काबू करने के लिए मित्र देशों द्वारा इराक पर हमलों से डीजल-पेट्रोल के लिए हमारे देश में लगी लंबी कतारें हमें याद हैं। अब हम कमोबेश वैसी ही स्थिति की आशंका देख रहे हैं। बात केवल आयात की नहीं है, निर्यात भी इस संकट से प्रभावित हो रहा है। बीकानेर का भुजिया, महाराष्ट्र के केले, कपड़ा उद्योग और समुद्री उत्पाद आदि सबका अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचना अब पहले जैसा सहज नहीं रहा। जलगांव से रोजाना दो से तीन हजार टन केला खाड़ी देशों व यूरोप को निर्यात होता है लेकिन इस युद्ध ने निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। केले से भरे सैकड़ों कंटेनर बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं। इसी प्रकार बीकानेर से भुजिया का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। समुद्री रास्तों में असुरक्षा और लागत बढ़ने से कई व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह केवल माल की आवाजाही का संकट नहीं है, बल्कि इन उद्योगों से जुड़े लाखों लोगों की रोजी-रोटी का भी सवाल है। भारत की आत्मनिर्भरता की बहस में सूचना एवं प्रौद्योगिकी का क्षेत्र अक्सर नजरअंदाज हो जाता है जबकि यह आज की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए बेहद अहम है। भारत डिजिटल रूप से तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन इस डिजिटल ढांचे की बुनियाद अब भी काफी हद तक विदेशी तकनीक पर टिकी है। मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम, क्लाउड सेवाएं, सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बाहरी कंपनियों के नियंत्रण में हैं। ऐसे में वैश्विक तनाव या प्रतिबंधों की स्थिति में यह निर्भरता गंभीर जोखिम बन सकती है। इंटरनेट के क्षेत्र में भी हालात अलग नहीं हैं। सोशल मीडिया, सर्च इंजन और डेटा स्टोरेज जैसे प्लेटफॉर्म विदेशी स्वामित्व में हैं जिससे डेटा सुरक्षा और डिजिटल संप्रभुता पर सवाल उठते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं बल्कि रणनीतिक चुनौती भी है। इसके साथ ही, भारत में मौलिक आविष्कारों की कमी भी चिंता का विषय है। आईटी सेवाओं में मजबूती के बावजूद, शोध और पेटेंट के मामले में भारत अभी पीछे है। रिसर्च और डवलपमेंट पर कम निवेश इसकी वजह हैं। ऐसे में आत्मनिर्भरता के लिए तकनीकी नवाचार को प्राथमिकता देना अनिवार्य हो गया है। यह परिदृश्य हमें बाध्य कर रहा है कि हम आत्मनिर्भरता के उस विचार की ओर लौटें जिसे हम अक्सर नारे के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं लेकिन उसे व्यवहार में पूरी तरह उतार नहीं पाए हैं। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं है, बल्कि इतना सक्षम बनना है कि वैश्विक उथल-पुथल का असर सीमित किया जा सके। मौजूदा समय में सवाल यह नहीं है कि भारत को वैश्विक व्यापार से दूरी बनानी चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हमारी अपनी नींव इतनी मजबूत है कि बाहरी झटकों को सह सके? समय की मांग है कि हमें ऊर्जा के क्षेत्र में वैकल्पिक रास्तों की ओर तेजी से बढ़ना चाहिए। सौर और पवन ऊर्जा अब केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं रहे हैं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का आधार भी बन चुके हैं। इसी प्रकार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करना, छोटे उद्योगों को तकनीक और वित्तीय सहायता देना और कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना जरूरी है क्योंकि ऐसे कदम ही भारत को भीतर से सशक्त बना सकते हैं। इस बीच, कुछ ऐसे सवाल भी हैं जिनका उत्तर हमें खोजना चाहिए। बड़ा सवाल है कि क्या हमने सस्ते आयात के लालच में अपनी उत्पादन क्षमता को कमजोर कर दिया है? क्या हमारी नीतियां दीर्घकालिक सोच के बजाय तात्कालिक लाभ पर अधिक केंद्रित रही हैं? और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हम हर संकट के बाद कुछ समय के लिए जागते हैं और फिर वही पुरानी लापरवाही ओढ़ लेते हैं? दुनिया में अस्थिरता निरंतर बढ़ रही है। कभी इस देश में तो कभी उस देश में कुछ न कुछ संकट खड़ा हो ही जाता है। मानना पड़ेगा कि दुनिया में अस्थिरता अब अपवाद नहीं रही है बल्कि एक स्थाई स्थिति बनती जा रही है। एक युद्ध खत्म होता नहीं है तो दूसरा शुरू हो जाता है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि सब कुछ सामान्य रहेगा, शायद खुद को धोखा देने जैसा ही होगा।

सीएसके की डेथ गेंदबाजी पर बिफरे अंबाती रायुडु

कहा- इस तरह की बॉलिंग के लिए धोनी ने कभी हां नहीं कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडु ने सीएसके की डेथ ओवर की बॉलिंग पर निशाना साधा है। सीएसके ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आखिरी पांच ओवर में 97 रन लुटाए थे। इसमें आखिरी ओवर में 30 रन शामिल हैं। टिम डेविड ने 25 गेंद में तीन चौके और आठ छक्के की मदद से 70 रन बनाकर पूरा पासा पलट दिया था। हालांकि, रायुडु ने कहा है कि जिस लेंथ पर चेन्नई के गेंदबाजों ने गेंदबाजी की, उस लेंथ पर गेंदबाजी करने से महेंद्र सिंह धोनी ने हमेशा मना किया था। डेथ ओवर्स चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक बड़ी समस्या बने रहे, क्योंकि आखिरी चार ओवरों में टीम ने 78 रन लुटा दिए, जिससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 250/3 का विशाल स्कोर खड़ा करने में सफल रही। हालांकि लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स 200 रन के पार पहुंच गई, लेकिन वह आरसीबी के स्कोर से काफी

पीछे रह गई। चेन्नई की डेथ बॉलिंग पर खासा असर पड़ा है, खासकर तब से जब नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए। उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किए गए स्पेंसर जॉनसन अभी तक टीम से नहीं जुड़ पाए हैं। एलिस की गैरमौजूदगी में जेमी ओवरटन उस कमी को भरने में संघर्ष करते नजर आए हैं। राउंड द विकेट गेंदबाजी करना उनके लिए नया है। आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले उन्होंने अपने पूरे करियर में इस एंगल से दो ओवर से भी कम गेंदबाजी की थी। हाल के वर्षों में सीएसके से जुड़ी अन्य फ्रेंचाइजियां, जैसे जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स और टेक्सास सुपर किंग्स, राउंड द विकेट गेंदबाजी की रणनीति अपना रही हैं और इसके लिए स्पेशलिस्ट गेंदबाजों पर भरोसा करती हैं। सीजन के पहले तीन मैचों में चेन्नई की गेंदबाजी सबसे बड़ी चिंता बनकर उभरी है। टीम का इकोनॉमी रेट 11.57 रहा है।

रायुडु ने कहा कि बल्लेबाजों को इस एंगल को काउंटर करने में आसानी होती है। रायुडु ने सीएसके के गेंदबाजों को सलाह देते हुए कहा कि सीएसके को पारंपरिक गेंदबाजी रणनीति पर ध्यान देना चाहिए। सही डाली गई यॉर्कर, सही जगह पड़ी स्लोअर गेंदें और खेल को सरल रखने पर फोकस रखना पड़ेगा।

रायुडु ने चेन्नई की रणनीति की आलोचना की

आरसीबी से सीएसके को 43 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 250 रन बनाने के बाद, उसने सीएसके को 207 रन पर समेट दिया। आरसीबी ने जेमी ओवरटन के आखिरी ओवर में 30 रन बटोरे थे। ओवरटन ने राउंड द विकेट गेंदबाजी की और डेविड ने इस एंगल का फायदा उठाते हुए लगातार चौके-छक्के लगाए। रायुडु ने बताया कि पहले भी सीएसके के गेंदबाज प्रैक्टिस सेशन में इस एंगल से गेंदबाजी की कोशिश करते थे।

'धोनी ने इस एंगल से गेंदबाजी से हमेशा मना किया'

रायुडु ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, 'गेंदबाज ने प्रैक्टिस सेशन में कई बार इस तरह की गेंदबाजी की कोशिश की, लेकिन मैचों में यह कभी लागू नहीं हुआ, क्योंकि धोनी ने इस एंगल से गेंदबाजी से मना किया था। एक बल्लेबाज के तौर पर हमें इस एंगल से बल्लेबाजी करने में आसानी होती है और राउंड द विकेट से आ रही गेंदों को अच्छे से काउंटर कर सकते हैं। अगर आप क्रीज से आधे फुट बाहर खड़े होते हैं, तो उस एंगल के प्रभाव को पूरी तरह से खत्म कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस पर सीएसके को गौर करने की जरूरत है।

बास्केटबॉल चैम्पियन का 'कैंडी' सीक्रेट

मिलन शॉट से पहले दिमाग में दोहराते हैं 'जेलीबीन'

शिकागो, एजेंसी

बड़े मैचों के दबाव में अक्सर दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों का दिमाग भी सुन्न पड़ जाता है। ऐसे में वे अपने ही खेल पर शक करने लगते हैं। अमेरिका के कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट में इस साल के सर्वश्रेष्ठ 3-पॉइंट शूटर मिलन मोमसिलोविक भी इसी ओवरथिंकिंग का शिकार हो रहे थे। लेकिन इस 6 फीट 8 इंच लंबे स्नाइपर ने अपने दिमाग को शांत करने का एक बेहद अजीब, लेकिन 100% अचूक तरीका खोज निकाला है। यह तरीका है एक शब्द 'जेलीबीन'। आयोवा स्टेट के मिलन इस वक्त डिवीजन-1 कॉलेज बास्केटबॉल के सबसे सटीक शूटर हैं। लेकिन एक वक्त था जब हर शॉट से पहले उनका आत्मविश्वास डगमगा जाता था। मिलन बताते हैं, 'मुझे हमेशा लगता था कि मेरे शॉट में कुछ कमी है। शायद गेंद का आर्क सही नहीं है या मैं सही तरीके से थ्रो नहीं कर रहा हूं।' लगातार गिरते कॉन्फिडेंस को बचाने के लिए उन्होंने एक मशहूर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. मैथ्यू मायरविक से संपर्क किया। डॉ. मैथ्यू ने उन्हें एक बेहद आसान मनोवैज्ञानिक तरकीब बताई- 'थ्रो करने से ठीक पहले दिमाग में किसी एक चीज, खासकर किसी खाने की चीज का नाम सोचो।' मिलन ने इसके लिए 'जेलीबीन' शब्द चुना। वे कहते हैं, 'शायद यह शब्द बोलने में थोड़ा लंबा है, इसलिए मैंने इसे चुना। मजेदार बात यह है कि जेलीबीन मेरी फेवरेट कैंडी भी नहीं है।'

फास्ट न्यूज

धुरंधर से सबकी जली : जाकिर खान

मुंबई। 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड ब्रेक कर रही है। इस बीच कॉमेडियन जाकिर खान ने फिल्म की सफलता को लेकर बॉलीवुड पर चुटकी ली है। जाकिर खान ने एक अवॉर्ड शो के दौरान कहा कि इंडस्ट्री के लोग आदित्य धर की इस फिल्म से अंदर ही अंदर जल रहे हैं। जाकिर ने कहा, कितने ही बधाई पोस्ट आप डाल दें।

दो भाई और एआई ने बनाई 15,000 करोड़ की कंपनी

मुबंई। मैथ्यू गैलेगर (41) लॉस एंजिलिस के एक घर से जो कर दिखाया, वो दुनिया के बड़े-बड़े उद्यमियों को हैरत में डाल रहा है। न कोई बड़ी टीम और न चमचमाता दफ्तर- बस एक लैपटॉप, कुछ एआई टूल्स और गजब का जुनून। नतीजा- महज दो महीने और 20,000 डॉलर (अभी के हिसाब से 18.5 लाख रुपए) के निवेश से एक ऐसी कंपनी खड़ी हो गई, जो इस साल 16,700 करोड़ रुपए का कारोबार करने की राह पर है। गैलेगर की कंपनी मेडवी टेलीहेल्थ प्लेटफॉर्म चलाती है, जो वजन घटाने वाली जीएलपी-1 दवाएं ऑनलाइन बेचता है। सितंबर 2024 में जब मेडवी शुरू हुई, तो पहले ही महीने 300 ग्राहक जुड़ गए। दूसरे महीने यह संख्या 1,000 और बढ़ गई। 2025 में कंपनी के पहले पूरे कारोबारी साल में मेडवी ने 40.1 करोड़ डॉलर (3,700 करोड़ रुपए) की बिक्री की।

अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' का ट्रेलर रिलीज

मुबंई। अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'भूत बंगला' का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को पुराने दिनों की याद दिलाता है। इसमें अक्षय कुमार के साथ उनकी पुरानी कॉमेडी टीम यानी परेश रावल और राजपाल यादव भी नजर आ रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी का वैसा ही बैलेंस दिख रहा है, जिसके लिए अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी जानी जाती है।

धर्मेंद्र को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, भावुक हुए बॉबी

बोले- पापा ने आप सबके दिलों को छुआ, उनके कारण ही हमे इतना प्यार मिलता है

नई दिल्ली, एजेंसी

दिवंगत बॉलीवुड एक्टर अभिनेता धर्मेंद्र को हाल ही में स्क्रीन अवॉर्ड्स फंक्शन में मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। पिता की जगह यह अवॉर्ड लेने जब बॉबी देओल मंच पर पहुंचे, तो वे अपने आंसू नहीं रोक पाए। स्पीच देते समय बॉबी काफी भावुक हो गए। उन्होंने धर्मेंद्र के योगदान और सोशल मीडिया के प्रति उनके आखिरी दिनों के लगाव को याद किया। अवॉर्ड लेते समय बॉबी देओल की आंखें तुरंत नम हो गईं। उन्होंने भारी मन से अपने पिता को धन्यवाद दिया। बॉबी ने स्पीच में कहा, मुझे आप सभी की आंखों में अपने पापा के लिए जो प्यार दिखाई देता है, वही उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मुझे अब भी ऐसा महसूस होता है कि मैं घर जाऊंगा और उन्हें बताऊंगा कि मैंने यह पुरस्कार उनके लिए जीता है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि भगवान ने मुझे उनका बेटा बनाया। बॉबी ने कहा, मेरे पापा ने आप सभी को व्यक्तिगत रूप से जाने बिना ही अपने

काम और इंस्टाग्राम रील्स के जरिए आप सभी के दिलों को छुआ है। इंस्टाग्राम पर रील्स बनाना उनका नया शौक बन गया था। वह हमेशा चाहते थे कि हर कोई खुश रहे। वह मानते थे कि अगर हम अपने टैलेंट पर विश्वास करें, तो जीवन में कुछ भी हासिल कर सकते हैं। आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' इस साल अवॉर्ड नाइट की सबसे बड़ी विनर बनकर उभरी है, जिसने कुल 14 अवॉर्ड्स अपने नाम किए। फिल्म के लिए रणवीर सिंह को बेस्ट एक्टर और आदित्य धर को बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला, वहीं अक्षय खन्ना ने बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (मेल) की ट्रॉफी जीती।

धुरंधर 2 में आप जब-जब स्क्रीन पर आए, बहुत मजा आया, राकेश बोले- बच्चा है तू मेरा

राकेश बेदी को विक्की ने बीच इंटरव्यू में किया फोन

नई दिल्ली, एजेंसी

सीनियर एक्टर राकेश बेदी इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' में अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उनके पास एक्टर विक्की कौशल का फोन आया। विक्की ने राकेश बेदी की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की और बताया कि फिल्म में उनका काम कितना शानदार है। इस बातचीत के दौरान दोनों एक्टर्स के बीच मजेदार केमिस्ट्री देखने को मिली, जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू के बीच में ही विक्की कौशल ने राकेश बेदी को फोन लगाया। विक्की ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, परसों रात ही मैंने फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज देखी और मैं आपके काम से पूरी तरह दंग रह गया हूं।

फिल्म में पाकिस्तानी नेता और जासूस का रोल

'धुरंधर 2' में राकेश बेदी ने 'जमील जमाली' का किरदार निभाया है। फिल्म की शुरुआत में वह कराची के एक लाउड और मजाकिया पाकिस्तानी राजनेता के रूप में नजर आते हैं। हालांकि, फिल्म के क्लाइमेक्स में एक बड़ा ट्विस्ट आता है। उनके इस किरदार में कॉमेडी और गंभीरता का जो बैलेंस दिखा है।

विक्की बोले- स्क्रीन पर आपको देखकर मजा आ गया

द लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू के बीच में ही विक्की कौशल ने राकेश बेदी को फोन लगाया। विक्की ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, परसों रात ही मैंने फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज देखी और मैं आपके काम से पूरी तरह दंग रह गया हूं। फिल्म में आपकी परफॉर्मेंस अविश्वसनीय है। आप जब-जब स्क्रीन पर आए, बहुत मजा आया। मुझे यकीन है कि फिल्म देखने वाला हर इंसान यही महसूस कर रहा होगा।

बातचीत के दौरान राकेश बेदी से उनका फेमस डायलॉग "बच्चा है तू मेरा" बोलने की गुजारिश की गई। विक्की ने मजाक में कहा कि राकेश बेदी जैसे सीनियर एक्टर के सामने तो हर कलाकार बच्चा ही है। राकेश बेदी हंसने लगे और मजाकिया अंदाज में बोले, "चल तू बोल रहा है

खालिस्तानियों ने 100-100 डॉलर देकर जुटाई भीड़

मंदिर के बाहर हिंदू-भारत विरोधी नारे लगाए, बोले- हरियाणा-दिल्ली, बीकानेर हमारे

जालंधर, एजेंसी

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तानियों ने त्रिवेणी मंदिर के बाहर भारत के खिलाफ नारे लगाए। खालिस्तानियों के जुटने से शहर में 2 घंटे तक तनावपूर्ण माहौल रहा। हिंसक घटना को रोकने के लिए कनाडा पुलिस का भारी बल तैनात रहा। खालिस्तानियों ने नारे लगाते हुए हरियाणा-दिल्ली और बीकानेर पर अपना हक बताया। वहीं, सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि प्रदर्शन के लिए ये खालिस्तान समर्थक भाड़े पर लाए गए थे। एक्स पर एक यूजर दर्शन महाराजा ने लिखा कि खालिस्तानी आतंकियों ने लोगों को जुटाने के लिए 100-100 डॉलर का लालच दिया। इसके चलते 40 से 50 के करीब लोगों को नारे लगाने के लिए उकसाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया किया कि प्रदर्शन में लगभग 40 लोग मौजूद थे। ये लोग सड़क किनारे लगाए गए मेटल बैरिकेड्स के पीछे खड़े होकर

कनाडा में प्रदर्शन के लिए जुटे खालिस्तान समर्थक।

पीले खालिस्तानी झंडे लहरा रहे थे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में कुछ विवादित पोस्टर भी थे, जिन पर वांटेड लिखा हुआ था और कुछ व्यक्तियों की तस्वीरें भी थीं। यह दावा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिससे इन प्रदर्शनों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आलोचकों का कहना है कि कनाडा में खालिस्तानी आंदोलन को जीवित दिखाने के लिए अब भाड़े की भीड़ का सहारा लिया जा रहा है। हिंदू कनाडियन फाउंडेशन (HCF) और त्रिवेणी मंदिर प्रशासन ने इस प्रदर्शन की निंदा की है। समुदाय के नेताओं का कहना है कि पूजा स्थलों के बाहर इस तरह के राजनीतिक प्रदर्शनों का एकमात्र उद्देश्य भक्तों को डराना और शांति भंग करना है। HCF ने एक बयान में

सरे में प्रदर्शन नहीं करने दिया

5 मार्च की दोपहर जब मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए इकट्ठे हो रहे थे, तभी दोपहर लगभग 12 बजे से 2 बजे के बीच मंदिर के सामने वाली सड़क पर खालिस्तान समर्थक जमा होने शुरू हो गए। प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (SFJ) हिंदू मंदिरों के बाहर विरोध दर्ज करवाया। इसी तरह का एक प्रदर्शन ब्रिटिश कोलंबिया के सरे स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर के बाहर भी प्रस्तावित था, लेकिन वहां खालिस्तानियों को प्रदर्शन नहीं करने दिया गया।

दर्शन महाराजा ने कनाडाई राजनीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले 50 वर्षों में वोट और डोनेशन के लालच में यहां के नेताओं ने ऐसे तत्वों को संरक्षण दिया है। उसी का नतीजा है कि आज ये लोग बेलगाम हो चुके हैं।

कहा कि हम अपने पूजा करने के अधिकार की रक्षा करेंगे। किसी भी प्रकार की धमकी या उकसावे वाली कार्रवाई हमें हमारे विश्वास से पीछे नहीं हटा सकती। मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं ने भी इस बात पर नाराजगी जताई कि उन्हें अपने ही पूजा स्थल पर जाने के लिए पुलिस बैरिकेड्स और विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ रहा है।

कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में त्रिवेणी मंदिर, जिसके सामने प्रदर्शन किया गया।

दावा- प्रदर्शन में भीड़ जुटाने के लिए दिया था 100 डालर देने का लालच

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब घटनास्थल पर मौजूद विश्लेषक और फ्रीलांस पत्रकार दर्शन महाराजा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुलासा किया। महाराजा ने बताया कि वहां मौजूद एक व्यक्ति ने ऑफ-कैमरा उन्हें जानकारी दी कि इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को 100 कनाडाई डॉलर दिए जा रहे हैं।

झड़प रोकने के लिए मौके पर रही कड़ी सुरक्षा

प्रदर्शन की संवेदनशीलता को देखते हुए पील रीजनल पुलिस मुस्तैद रही। मंदिर के आसपास की सड़कों पर पुलिस की सफेद SUV लगातार गश्त कर रही थीं। किसी भी संभावित झड़प को रोकने के लिए 100 मीटर का सेफ्टी जोन बनाया गया था। पुलिस की मुस्तैदी के कारण कोई हिंसा या शोर-शराबा नहीं हुआ। प्रदर्शन में एक और दिलचस्प पहलू यह रहा कि इतने संवेदनशील मुद्दे के बावजूद कनाडा मीडिया ने खालिस्तानियों को कवरेज नहीं दी। स्थानीय हिंदू समुदाय का आरोप है कि कनाडाई मीडिया अक्सर ऐसे मामलों को नजरअंदाज करता है।

भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर ग्रीन आशा ने होर्मुज किया पार

नई दिल्ली। एलपीजी आपूर्ति के मोर्चे पर भारत के लिए एक सकारात्मक खबर सामने आई है। भारतीय ध्वज वाला जहाज ग्रीन आशा ईरान के समीप स्थित अहम समुद्री मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सफलतापूर्वक पार कर चुका है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के बाद यह इस मार्ग से गुजरने वाला भारत का नौवां जहाज है। अमेरिका और इस्राइल के साथ बढ़े संघर्ष के बाद ईरान द्वारा इस जलडमरूमध्य को बंद किए जाने की खबरों के बीच यह ट्रांजिट खास महत्व रखता है। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से होर्मुज जलडमरूमध्य बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया के कुल पेट्रोलियम व्यापार का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। ऐसे में इस मार्ग पर किसी भी तरह का व्यवधान सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों को प्रभावित करता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ग्रीन आशा एक एलपीजी टैंकर है और मौजूदा जोखिमों के बावजूद इसका सुरक्षित पार होना इस क्षेत्र पर भारत की लगातार निर्भरता को दर्शाता है। तनाव के चलते वैश्विक ईंधन आपूर्ति शृंखला पर दबाव बना हुआ है और ऊर्जा बाजार अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं।

सेंसेक्स 787 अंक चढ़कर 74,100 पर कारोबार कर रहा

निफ्टी 255 अंक ऊपर, 22968 पर पहुंचा, बैंकिंग और रियल स्टेट शेयरों में खरीदारी

मुंबई, एजेंसी

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी सोमवार 6 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 787 अंक चढ़कर 74,106 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 255 अंकों की तेजी है, ये 22950 के स्तर पर पहुंच गया है। आज बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में खरीदारी रही। आज कच्चा तेल करीब आधा फीसदी ऊपर है। ये 109 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। 28 फरवरी को ईरान जंग शुरू होने से पहले कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास थे। RBI की मॉनेटरी पॉलिसी में ब्याज दरों पर लिए फैसलों और महंगाई के आउटलुक पर निवेशक करीबी नजर रखेंगे। नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग आज से शुरू हो गई है। 8 अप्रैल को गवर्नर मीटिंग में लिए फैसले की जानकारी देंगे। इस बार

ब्याज दरों में बदलाव की संभावना नहीं है। ऊपर की ओर 73,800–74,000 के स्तर पर तत्काल रेजिस्टेंस है। वहीं अगर सेंसेक्स 72,000 के नीचे फिसला तो यह 71,500–71,000 के स्तर तक जा सकता है। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की वजह से बाजार बंद था। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 1,773 अंक चढ़कर बंद हुआ। सुबह ये भारी दबाव के साथ खुला और गिरकर 71,545 के स्तर तक आ गया था। बाद में यह 185 अंक चढ़कर 73,320 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 22,182 का निचला स्तर बनाने के बाद 531 अंकों की रिकवरी दिखी। ये 34 अंक (0.15%) चढ़कर 22,713 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी के आईटी और रियल्टी इंडेक्स सबसे ज्यादा चढ़ें। इसमें 2.62% और 1.18% की तेजी रही। रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। रजिस्टेंस जोन पार करने पर तेजी की उम्मीद रहती है। रेलीगेयर ब्रोकिंग के अजीत मिश्रा का मानना है कि निफ्टी धीरे-धीरे अपने क्रिटिकल सपोर्ट लेवल की ओर बढ़ रहा है। लॉन्ग-टर्म वीकली मूविंग एवरेज (200 WEMA) के हिसाब से 21,930 और उसके बाद 21,750 (जो अप्रैल 2025 का निचला स्तर था) अहम सपोर्ट हैं।

बढ़त : इस साल कीमत में ₹15 हजार का इजाफा, चांदी ₹3,215 महंगी होकर ₹2.31 लाख प्रति किलो हुई

सोना ₹1,283 बढ़कर ₹1.58 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में मंगलवार को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,283 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 3 अप्रैल को इसकी कीमत 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 3,215 रुपए बढ़कर 2.31 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.28 लाख रुपए प्रति किलो थी।इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। लेकिन, 28 फरवरी को अमेरिका और इजाराइल की ईरान से जंग शुरू होने के बाद लगातार गिरावट देखी जा रही है। तब से 38 दिन में सोना 11,206 रुपए और चांदी 35,672 रुपए गिरी है। हमेशा ब्यूरो

ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

- **ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः** एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।
- **खरीदारी की मात्राः** दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।
- **लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः** राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।
- **पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः** ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

सोना इस साल ₹14,696 और चांदी ₹608 महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 14,696 रुपए और चांदी 608 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.31 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

विदेशी जेवर मंगाने के लिए लाइसेंस लेना होगा

सरकार ने सोने-चांदी और प्लैटिनम के गहनों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया है। इसका सीधा असर बाजार की सप्लाई दिख रहा है,अब इन कीमती धातुओं से बनी ज्वेलरी किसी भी देश से गहने मंगाने के लिए सरकार से विशेष लाइसेंस या परमिशन लेना होगा।

सपा विधायक का फर्श पर बैठकर प्रदर्शन

नगर निगम मुख्यालय घेरा, बोले- पानी नहीं मिल रहा, जल कर बढ़ गया

- सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- सड़क से लेकर विधानसभा तक लोगों के लिए लड़ाई लड़ेंगे।
- लता जायसवाल ने कहा- पार्षदों का फंड पता नहीं कहां चला जाता है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा सोमवार को अपने पार्षदों और नेताओं के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने नगर निगम का घेराव करते हुए मुख्यालय परिसर के ग्राउंड फ्लोर पर बैठकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि पिछले कई दिनों से उनके विधानसभा क्षेत्र में पानी, सड़क और साफ-सफाई की समस्या बनी हुई है। लेकिन, नगर निगम की लापरवाही से कोई काम नहीं हो रहा है।

विधायक रविदास मेहरोत्रा फर्श पर अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठ गए।

'हमारी सरकार आएगी तो इन्हें बताएंगे'

लता जायसवाल ने कहा- सरकार सबको एक नजर से नहीं देख रही है। हमारे पार्षदों को बजट नहीं दिया जा रहा है। हमारे क्षेत्रों में पानी की बहुत समस्या है। नाली खराब है, सबमर्सिबल खराब है। जो पानी आ भी रहा है, वह गंदा है। उसे पी नहीं सकते। पार्षदों के पास फंड होने के सवाल पर लता जायसवाल ने कहा- पार्षदों का फंड पता नहीं कब मिलता है।

सपा विधायक की 11 मांगें-

- *मध्य विधानसभा क्षेत्र के खुले नालों को दुर्घटना रोकने के लिए पूर्णतः ढका जाए।*
- *छत्ते वाले पुल के पास सड़क जर्जर, गहरे गड्ढों से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। मरम्मत जरूरी।*
- *17 वार्डों में लगी पानी की टंकियां खराब, तत्काल मरम्मत आवश्यक।*
- *लगभग 8 वार्डों में स्ट्रीट लाइट नहीं, नई लाइटें शीघ्र लगें।*
- *कई स्थानों पर पेयजल लाइनों में सीवर पानी मिलना गंभीर समस्या।*
- *विकास कार्यों के शिलापट्टों पर विधायक का नाम अंकित किया जाए।*
- *प्रमुख चौराहों पर जाम की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम कार्रवाई करे।*
- *कई सड़कों की जर्जर स्थिति से जनता में भारी आक्रोश व्याप्त।*
- *खराब ट्यूबवेल तत्काल ठीक कराएं, नए ट्यूबवेल भी लगाए जाएं।*
- *श्मशान घाट और कब्रिस्तान के विकास में अभाव से अंतिम संस्कार में कठिनाई हो रही है।*
- *सफाईकर्मियों की कमी से सफाई और सीवर व्यवस्था नियमित नहीं।*

विधायक ने नगर निगम पर लोगों की समस्या कम करने के बजाय बढ़ाने का आरोप लगाया।

विधायक बोले- लखनऊ में स्मार्ट टैक्स लग रहा

विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- नगर निगम के अंदर बहुत नागरिक समस्याएं हैं। नगर निगम उन समस्याओं के निदान पर काम नहीं कर रहा है। जगह-जगह कूड़ा लगा है। इससे लोगों में बीमारियां फैल रही हैं। कूड़ा हटाने के बजाय उस पर टैक्स लगाया जा रहा है। लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाना था लेकिन यहां स्मार्ट टैक्स लगाए जा रहे हैं।

शबनम खान ने कहा- हम लोग यहां जनता के मुद्दे लेकर आए हैं। सपा पार्षदों के वार्ड में कोई काम नहीं होता। नाली भरी हुई हैं, सीवर चैंबर फुल हैं। सड़कें टूटी हुई हैं। पार्षदों के पास अपनी 2 करोड़ 10 लाख रुपए की विकास निधि के सवाल पर शबनम ने कहा- यह सब जुमला है। ऐसी कोई निधि नहीं है। सपा पार्षदों की निधि रोक ली जाती है। निधि होती तो क्षेत्र का विकास नहीं होता क्या? कोई भी चलकर देख ले कि सपा पार्षदों के वार्डों में विकास हुआ है या नहीं?

दिनदहाड़े वकील के सीने में गोली मारी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी के सिविल कोर्ट परिसर में एक वकील ने दूसरे वकील के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही वह तख्त पर गिर पड़ा और परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घायल वकील रूमाल से जख्म दबाकर कराहता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक- गोली चलाने से पहले दोनों के बीच जमकर हाथापाई हुई थी। हालांकि, साथी वकीलों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया था, लेकिन कुछ ही देर बाद आरोपी ने गोली चला दी। गंभीर हालत में वकील को एक पुलिसकर्मी ने बाइक पर बैठाकर इलाज के लिए 8 किलोमीटर दूर अस्पताल ले गए। आरोपी की पहचान विराट राज के रूप में हुई है, जबकि घायल वकील का नाम जितेंद्र राज है। दोनों सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं और रिश्ते में चचेरे भाई हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वकील मौके से फरार हो गया। फिलहाल, घटना की वजह जमीन का विवाद बताया जा रहा है। घटना सोमवार को करीब साढ़े 12 बजे की है। घटना की सूचना पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी डॉ.ख्याति गर्ग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं।

शिक्षा व्यवस्था पर सपा प्रमुख का हमला

बोले- 'भाजपा सरकार ने विभाग को किया बर्बाद'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने प्राथमिक से लेकर इंटरमीडिएट तक शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार में शिक्षा कभी प्राथमिकता नहीं रही। हजारों प्राइमरी स्कूल बंद हो चुके हैं और पढ़ाई की व्यवस्था प्रभावित हुई है। इससे गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा पर सीधा असर पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं को वैज्ञानिक सोच, शोध और नवाचार से दूर कर रही है और उन्हें रूढ़िवादी विचारधारा की ओर धकेला जा रहा है, ताकि लोग सवाल न करें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी सरकार के समय प्राइमरी स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार किया गया था। मिड-डे मील में बेहतर व्यवस्था, बच्चों को फल-दूध और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयास किए गए थे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में 15 लाख छात्रों को लैपटॉप वितरित किए थे, जो कोविड काल में काफी उपयोगी साबित हुए। वहीं, शिक्षामित्रों को सहायक अध्यापक बनाकर उनका वेतन बढ़ाया गया था, लेकिन मौजूदा सरकार ने उनके साथ अन्याय किया। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है।

फास्ट न्यूज

'प्रबंधक झूठा आरोप लगाकर सस्पेंड कर रहे'

लखनऊ। 'शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के बाद जब शिक्षा सेवा चयन आयोग बना तो उसने हम शिक्षकों की सुरक्षा छीन ली। अब विद्यालय के प्रबंधकों को हमारा शोषण करने की खुली छूट मिल गई है। वे झूठे आरोप लगाते हैं और सस्पेंड कर देते हैं। चयन बोर्ड से आयोग बनने के बाद हमारी सुरक्षा के नियम हट गए। आयोग ने हमें असुरक्षित किया। सरकार इन नियमों को जोड़े, नहीं तो हमारी नौकरी और सामाजिक जीवन खतरे में होगा।' यह कहना है।

बीमारी छिपाकर शादी की, अब किडनी मांग रहा पति

कानपुर। कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और गंभीर बीमारी छिपाकर शादी करने का मामला सामने आया है। महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर आरोप लगाते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता का कहना है कि शादी से पहले पति की किडनी की गंभीर बीमारी छिपाई गई और बाद में उससे 30 लाख रुपये या किडनी की व्यवस्था करने का दबाव बनाया गया। पीड़िता के अनुसार, उसकी शादी 22 जून 2023 को लखनऊ निवासी निशांत कुमार से हुई थी। महिला का आरोप है कि शादी के बाद पति का व्यवहार असामान्य था और लंबे समय तक सामान्य वैवाहिक संबंध नहीं बने। पूछने पर पति ने टालमटोल की और दूसरी शादी तक की बात कही। महिला ने बताया कि पति लगातार दवाएं लेता था और काफी समय बाथरूम में बिताता था।

शॉर्ट सर्किट से कच्चे मकान में लगी आग

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर तहसील के सजेती थाना क्षेत्र के डोहरू गांव में रविवार देर रात शॉर्ट सर्किट से कच्चे मकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में पीड़ित रघुवीर सिंह का नकदी, अनाज और घरेलू सामान जलकर राख हो गया। आग की तेज लपटों से कच्चे मकान की लकड़ी की बल्लियां जल गईं, जिससे छत भरभराकर गिर पड़ी।

लॉ यूनिवर्सिटी के स्विमिंग पूल में इंटर का छात्र डूबा

लखनऊ में 14 फीट गहरे पानी में गया, लाइफगार्ड ने निकाला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना स्थित राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी परिसर में बने स्विमिंग पूल में रविवार रात नहाने के दौरान इंटर का छात्र डूब गया। इससे उसकी मौत हो गई। घटना के समय उसका बड़ा भाई और दो अन्य युवक भी पूल में मौजूद थे। इन दोनों के सामने ही छात्र गहरे पानी में चला गया। जानकारी होने पर लाइफगार्ड ने उसे पानी से बाहर निकाला। अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। छात्र की पहचान आशियाना निवासी अमित भूषण के 17 साल का बेटा कुशाग्र भूषण के रूप में हुई। कुशाग्र अपने भाई और उसके दोस्त के साथ राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी में स्विमिंग करने गया था। परिजनों के मुताबिक, कुशाग्र ने इसी साल बोर्ड पेपर दिया था। उसके पिता अमित भूषण एक प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट हैं। परिवार में मां प्रतिभा और

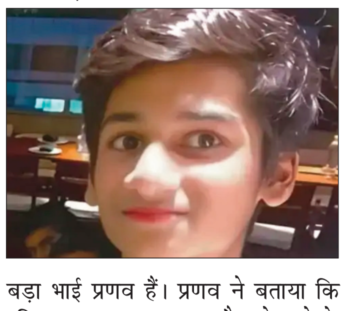

बड़ा भाई प्रणव हैं। प्रणव ने बताया कि रविवार रात वह, कुशाग्र और मोहल्ले के स्वप्लिन और उत्कर्ष के साथ लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी स्थित स्विमिंग पूल में नहाने गए थे। चारों ने 300 रुपए का टिकट लिया और पूल में उतर गए। इस दौरान कुशाग्र अचानक 14 फीट गहरे हिस्से में चला गया और डूबने लगा।इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह ने बताया- कुशाग्र को डूबता देख वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया। मौके पर तैनात लाइफगार्ड तुरंत पहुंचे और कुछ ही मिनट में उसे बाहर निकाल लिया।

मां की मौत के बाद जेल में एक-महीने की बच्ची

झांसी में पिता-दादी हुए अरेस्ट, युवती की बाथरूम के हैंगर में लटकती मिली थी लाश

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में एक महीने की मासूम बिना किसी जुर्म के जेल में है। दरअसल, मां की मौत के बाद बच्ची के पिता और दादी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बच्ची की देखभाल करने वाला कोई नहीं होने के कारण उसे भी उनके साथ जेल में रहना पड़ रहा है। मामला प्रेम नगर के हंसारी स्थित सारंद्रा नगर का है। दरअसल, मोनिका (24) की शादी 10 महीने पहले हुई थी और उसने एक महीने पहले ही बेटी को जन्म दिया था। शनिवार को मोनिका की लाश बाथरूम में हैंगर से लटकी हुई मिली। मायके वालों ने इसे दहेज हत्या का मामला बताते हुए केस दर्ज कराया है। एफआईआर के बाद पुलिस ने 5 अप्रैल को पति संदीप सविता और सास गायत्री देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जालौन के कोंच निवासी मोनिका (24) की शादी 9 जून 2025 को सारंद्रा नगर के संदीप सविता से हुई थी। शादी में 4.5 लाख रुपए नकद और सामान दिया था। शादी में करीब 10 लाख रुपए खर्च हुए थे। पति

संदीप बच्चों को ट्यूशन पढ़ाते हैं। एक महीने पहले मोनिका ने एक बेटी को जन्म दिया था। बच्चा होने पर मोनिका समेत अन्य परिजन बहुत खुश थे। भाई ने आगे बताया- शुक्रवार को बहन मोनिका से फोन पर बात हुई थी। तब सबकुछ ठीक था। अगले दिन शनिवार को जीजा का फोन आया कि मोनिका ने फांसी लगा ली। बेहोश है, हम उसे मेडिकल कॉलेज लेकर जा रहे हैं। इस सूचना पर हम लोग झांसी आए। यहां पर पता चला कि बहन की मौत हो चुकी है। मेरी बहन ने फांसी नहीं लगाई। उसकी हत्या कर शव को लटकाया गया है। उसे बहुत प्रताड़ित किया जा रहा है। मायके वालों की तहरीर पर पुलिस ने 5 अप्रैल को पति, सास समेत अन्य पर दहेज हत्या का केस दर्ज किया था। प्रेमनगर थाना प्रभारी तुलसीराम पांडेय ने बताया- मोनिका की मौत के मामले में उसके पति संदीप सविता और सास गायत्री देवी को गिरफ्तार किया गया।

भाई बोला- हत्या कर लटकाया गया

मोनिका के भाई अमन का आरोप है कि शादी के बाद ससुराल वाले बहन मोनिका को प्रताड़ित करने लगे। बुलेट मोटरसाइकिल की डिमांड की जाने लगी, जबकि हम लोग बाइक को पैसा पहले ही दे चुके थे। समझाने पर भी नहीं माने और बहन से मारपीट करने लगे। एक बार उसे मारपीट कर घर से भी निकाल दिया था। हम लोगों ने ससुराल वालों को समझाया, लेकिन वे नहीं माने। करीब एक महीने पहले बहन ने ऑपरेशन से एक बेटी को जन्म दिया। हम लोगों को पच (बच्चे के जन्म से मायके से आने वाला सामान) लेकर जाना था। बहन से बाइक, चेन और अन्य कीमती सामान की डिमांड की जाने लगी। इसे बहन परेशान थी।

सास ने दरवाजा तोड़कर देखा तो अंदर हैंगर से लटकी हुई थी

शनिवार को सास गायत्री सब्जी बना रही थी। मोनिका नहाने के लिए बाथरूम गई थी। वह काफी देर तक बाथरूम से बाहर नहीं आई तो बच्ची रोने लगी। गायत्री ने पोती को गोद में लिया और बहू को बुलाने बाथरूम में गई। आवाज दी तो बहू ने जबाव नहीं दिया। तब गेट के नीचे से देखा तो वह बाथरूम के अंदर हैंगर पर दुपट्टे से फांसी पर लटकी थी। गायत्री ने गेट तोड़ा और बहू को प्राइवेट अस्पताल ले गई। वहां से मेडिकल कॉलेज लेकर गए। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

किडनी कांड के बाद बड़ी कार्रवाई, 3 हॉस्पिटल सीज

कानपुर में कई को नोटिस, ओटी में मिला बिस्तर, घर में चल रहा था अस्पताल

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में किडनी कांड के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कल्याणपुर क्षेत्र में अवैध अस्पतालों पर बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को एसीएमओ रमित रस्तोगी के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ कई अस्पतालों में छापेमारी की गई। इस दौरान तीन अस्पतालों को सीज किया गया, जबकि अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। छापेमारी के दौरान एक मकान में संचालित अस्पताल में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। जांच में ऑपरेशन थिएटर (ओटी) के अंदर बिस्तर रखा मिला और साथ ही मेडिकल स्टोर भी संचालित पाया गया। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए पहले ओटी सीज करने के आदेश दिए गए, लेकिन मौके पर विवाद के बाद पूरे अस्पताल को ही सीज कर दिया गया। टीम ने सबसे पहले गोल्ड

हॉस्पिटल में छापा मारा, जहां पंजीकरण न होने पर उसे सीज कर दिया गया। इसके बाद एमजे हॉस्पिटल में ड्यूटी डॉक्टर न मिलने पर नोटिस जारी किया गया। कान्हा, लक्ष्मी और गणेश हॉस्पिटल में जांच के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं। वहीं, नया शिवली रोड स्थित एमपी हॉस्पिटल में बिना रजिस्ट्रेशन सेवाएं संचालित पाई गईं। पहले भी ओटी सीज होने के बावजूद अस्पताल चल रहा था। इस पर तीन दिन में मरीज शिफ्ट करने के निर्देश देते हुए अस्पताल को सीज करने की कार्रवाई की गई। मैगन्स हॉस्पिटल और वेदा हॉस्पिटल में भी खामियां मिलने पर नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जवाब संतोषजनक न मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वारदात : कानपुर में नहर किनारे चीख सुन दौड़े ग्रामीण, परिवार बोला- आरोपी पिता मानसिक बीमार

75 हजार में कपड़े-झूला खरीदा, बेटी की बलि की कोशिश

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक पिता ने अपनी 8 साल की बेटी को तंत्र-मंत्र के नाम पर बलि देने की कोशिश की। बच्ची की चीख सुनकर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर उसकी जान बचाई। संवाददाता के परिजनों से बात की तो सामने आया- आरोपी पिता मानसिक बीमारी से जूझ रहा है और उसका इलाज भी चल रहा है। घटनास्थल पर नहर किनारे सन्नाटा पसरा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार को सौरभ नाम का व्यक्ति अपनी बेटी को नए कपड़े पहनाकर यहां लाया था।

उसने पहले पूजा-पाठ किया और फिर बच्ची को नहर पटरी पर लिटाकर तंत्र-मंत्र करने लगा। इसी दौरान बच्ची जोर-जोर से चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर दूसरी ओर से गुजर रहे लोग नहर में कूदकर पहुंचे और बच्ची को बचा लिया।

जांच में सामने आया कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार है और उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल बच्ची को उसकी चाची लक्ष्मी के सुपुर्द कर दिया गया है और परिवार आरोपी को डॉक्टर के पास लेकर गया है।

पुलिस बोली- बच्ची सुरक्षित, चाची देखरेख कर रही

बिधनू इंस्पेक्टर तेज बहादुर सिंह ने बताया- सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। जांच में सामने आया कि आरोपी मानसिक रूप से बीमार है और उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल बच्ची को उसकी चाची लक्ष्मी के सुपुर्द कर दिया गया है और परिवार आरोपी को डॉक्टर के पास लेकर गया है।

75 हजार रुपए से खरीदे कपड़े और श्रृंगार के सामान

घटना के बाद जब टीम ने परिवार से बात की, तो भाई राहुल सैनी ने बताया कि सौरभ पिछले कई महीनों से मानसिक रूप से बीमार है। घर में रखे करीब 75 हजार रुपए उसे मिल गए थे, जिससे उसने अपने और बेटी के लिए कई कपड़े, साड़ी और श्रृंगार का सामान खरीदा। घटना वाले दिन भी वह खुद साड़ी पहनकर और बेटी को सजाकर नहर किनारे ले गया था।

तंत्र-मंत्र में डूब गया था, पत्नी 7 साल पहले छोड़ गई

भाई राहुल सैनी ने बताया कि सौरभ की मानसिक हालत लंबे समय से ठीक नहीं है। वह अक्सर महिलाओं जैसे कपड़े पहनता और तंत्र-मंत्र में लिप्त रहता है। उसकी इस हरकतों से परेशान होकर पत्नी करीब 7 साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। इसके बाद से वह बेटी और परिवार के साथ रह रहा था, लेकिन धीरे-धीरे उसकी हालत और बिगड़ती चली गई। फिलहाल बच्ची को उसकी चाची लक्ष्मी के सुपुर्द कर दिया गया है और परिवार आरोपी को डॉक्टर के पास लेकर गया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

मूल्यों और आदर्शों...

अन्यथा कोई सूचना ही नहीं देता, कोई बताता ही नहीं है इसलिए वो सुविधा उन्हें प्राप्त होनी चाहिए। इसके लिए गोरखपुर में गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब के माध्यम से एक मैकेनिज्म यहां बनाया गया है। सीएम योगी ने कहा कि अच्छे ग्रुप से जुड़े पत्रकारों के लिए कोई समस्या नहीं है लेकिन उनसे इतर और भी एक बड़ा तबका है। उन सभी लोगों को जोड़कर एक अच्छी व्यवस्था हम आगे बढ़ा सकते हैं। सीएम योगी सोमवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सिविल लाइंस स्थित गोरखपुर क्लब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पत्रकारिता में विभिन्न प्रकार की चुनौतियां हैं। पत्रकारिता में प्रिंट मीडिया, विजुअल मीडिया, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के स्वरूप हैं। आज परिवारों में प्रत्येक सदस्य का रूझान मीडिया के अलग अलग रूपों में रहता है। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता के सभी रूपों को समग्रता के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। प्रिंट मीडिया, विजुअल मीडिया के अपने कुछ मानक हैं, अपनी आचार संहिता है। पर, सोशल मीडिया को अभी इससे जोड़ना है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के अलग-अलग आयामों प्रिंट मीडिया, विजुअल मीडिया, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है। यदि किसी एक ही तथ्य को मीडिया के अलग-अलग आयाम भिन्न-भिन्न तरीके और दृष्टिकोण से प्रस्तुत करेंगे तो आमजनमानस के सामने कन्फ्यूजन की स्थिति होगी। ऐसी स्थिति मीडिया के प्रति जनविश्वास को भी प्रभावित करेगी। इसलिए यह आवश्यक है कि मीडिया के सभी अंग समान मानक, मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ें।

48 घंटे में यूपी...

मौसम विभाग के मुताबिक, आज 18 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट है। आंधी चलने के साथ और ओले गिरने के भी आसार हैं। वहीं, कल यानी मंगलवार से 9 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में बारिश और ओले गिरने की आशंका है। पिछले 48 घंटों में वाराणसी-कानपुर समेत 43 जिलों में बारिश हुई। मथुरा, कानपुर, संभल और जालौन समेत 10 शहरों में ओले गिरे। इटावा में 24 घंटे में सबसे ज्यादा 30 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश में पिछले 3 दिनों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने से 15 लोगों की मौत हो चुकी है। बारिश से प्रदेश का औसत तापमान 4 डिग्री तक गिर गया। अधिकतम तापमान 42 डिग्री से घटकर 38 डिग्री तक पहुंच गया। रविवार को 38.2 डिग्री के साथ बहराइच प्रदेश में सबसे गर्म रहा।

मोहाली कोर्ट...

आज जालंधर के स्कूलों में छुट्टी नहीं की गई। बच्चे और स्टाफ स्कूलों में रुका और पुलिस अपनी कार्रवाई कर रही है। बम स्क्वॉयड और डॉग स्क्वॉयड के साथ तलाशी ली। वहीं, CM मान ने कहा है कि हम गंभीर हैं। इनकी जांच चल रही है। जबकि, अमृतसर के डीसीपी ने कहा है कि एक संदिग्ध की पहचान हुई है। उससे पूछताछ की जाएगी। ईमेल पर भेजने वाले ने खालिस्तान नेशनल आर्मी का पता लिखा है। इसके नीचे इंजीनियर गुरनाख सिंह, रुकनशाह वाला, डॉ. गुरनिरबैर सिंह और खान राजादा का नाम लिखा है। आगे लिखा है- खालिस्तान वाले बच्चों के खिलाफ नहीं, हिंदुस्तान मोदी सरकार को तबाह करेंगे। खालिस्तान वोटों से या बम से। चंडीगढ में भगवंत मान, डीजीपी यादव और सीएम सैनी की रिहायश को निशाना बनाएंगे। चंडीगढ़ वालो, यहां बम धमाके - ग्रेनेड हमले चलते रहेंगे, जब तक मान, यादव, सैनी नहीं मरते। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी गांधी भवन में आज रात 9:11 बजे ग्रेनेड हमला होगा। चंडीगढ़ में सेक्टर-41, सेक्टर-32, सेक्टर-47 और सेक्टर-45 स्थित स्कूलों को यह धमकी भरा ईमेल मिला। इसके बाद पुलिस टीमों ने स्कूल परिसरों को खाली करवाकर जांच शुरू की। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमें भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई हैं। पुलिस की ओर से स्कूलों के अंदर और आसपास के इलाकों में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। हर संदिग्ध वस्तु पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को टाला जा सके। फिलहाल पुलिस धमकी भरे ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। साइबर सेल की मदद से यह जानने की कोशिश की जा रही है कि ईमेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। चंडीगढ़ थाना सेक्टर-34 के SHO सतिंदर ने कहा कि चेंकिंग करवा ली है। किसी तरह की कोई चीज नहीं मिली है। उनमें लोगों को किसी तरह की पैनिक लेने की जरूरत नहीं है। हमने मेल का प्रिंट ले लिया है। साथ ही कहा गया किसी तरह डरने की जरूरत नहीं है। अमृतसर के डीसीपी लॉ एंड ऑर्डर आलम विजय सिंह ने कहा कि स्कूलों और सरकारी दफ्तरों को मिली धमकी भरी ईमेलों के बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस कमिश्नर को प्राप्त ईमेलों के मद्देनज़र सभी प्रभावित स्कूलों में एंटी-सबोटाज चेकिंग करवाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि एक संदिग्ध व्यक्ति को दूसरे राज्य से प्रोडक्शन वारंट पर अमृतसर लाया जा रहा है, जिससे पूछताछ कर मामले की गहराई से जांच की जाएगी।पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तैयारी की गई है।

अयोध्या मास्टर प्लान को लेकर सपा प्रमुख का हमला

बोले- 'बार-बार बदलाव के पीछे भ्रष्टाचार'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अयोध्या के मास्टर प्लान में बार-बार हो रहे बदलाव को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा अब अयोध्या के निवासियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मास्टर प्लान में बदलाव स्वाभाविक नहीं बल्कि कुछ "महाभ्रष्ट" लोगों के दबाव में कराया जा रहा है, ताकि नए-नए लोगों को फायदा पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि हर बार नई सिफारिशों के जरिए पुराने मास्टर प्लान को निरस्त कराया जाता है। इससे पहले से काम कर रहे लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है, जबकि कुछ लोग बैठे-बैठे इस प्रक्रिया को प्रभावित करते रहते हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा को कम से कम अयोध्या को भ्रष्टाचार से मुक्त रखना चाहिए और विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676